पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

घोंघा बसंत सम्मेलन में सम्मिलित हुए राज्यपाल
कटाक्ष करना और व्यंग्य करने में मौलिक अन्तर है - श्री नाईक
राज्यपाल ने लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा मतदान करने तथा अचार संहिता का सम्मान करने की अपील की

लखनऊः 1 अप्रैल, 2019

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज रवीन्द्रालय में संस्था रंग भारती द्वारा आयोजित 'घोंघा बसन्त सम्मेलन' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने 'बेढब बनारसी रंग भारती सम्मान' से वरिष्ठ हास्य कवि श्री कमलेश द्विवेदी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर विधि एवं न्याय मंत्री श्री बृजेश पाठक सहित बड़ी संख्या में श्रोतागण उपस्थित थे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रंग भारती के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री श्याम कुमार जी का अपना एक अलग व्यक्तित्व है। उनके द्वारा आयोजित घोंघा बसन्त सम्मेलन वास्तव में एक प्रसिद्ध हास्य कवि सम्मेलन है, जिसका लोग साल भर इन्तेजार करते हैं। हास्य कवि सम्मेलन तनाव भरी जिन्दगी में हंसने-हंसाने का माध्यम है। व्यंग्य का आशय हंसाने और विनोद के लिए होना चाहिए न कि किसी का अपमान करने के लिए। कटाक्ष करना और व्यंग्य करने में मौलिक अन्तर है। उन्होंने कहा कि व्यंग्य समाज सुधार के लिए होना चाहिए।

श्री नाईक ने कहा कि एक अप्रैल को पूरे विश्व में व्यंग्य के कोई न कोई कार्यक्रम आयोजित होते हैं। 'घोंघा बसन्त सम्मेलन' जिसे मूर्खों का सम्मेलन भी कहा जाता है, उसी परिपाटी का एक हिस्सा है। छत्रपति शिवाजी के गुरू स्वामी समर्थ गुरू रामदास जी की बात करते हुए कहा कि गुरू रामदास ने 'दासबोध' नाम से एक ग्रन्थ लिखा है, जिसमें मूर्ख होने के 71 लक्षणों को उल्लिखित किया है। स्वामी रामदास द्वारा बताये गये लक्षणों को पढ़कर लगता है कि वह अपने आप में समाज सुधार का संदेश देने वाला अध्याय है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर सभी महानुभावों से लोकतंत्र के महापर्व यानि लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा मतदान करने तथा अचार संहिता का सम्मान करने की अपील की। चुनाव मतदाता के मतदान की भागीदारी से ही सम्पन्न होते हैं। ऐसे समय में मतदान सर्वश्रेष्ठ दान है। मतदान सबसे बड़ा राष्ट्रधर्म है। उन्होंने कहा कि लोकसभा 2019 के चुनाव में सबसे अधिक मत प्रतिशत वाले लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र, विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र, वार्ड एवं मतदान केन्द्र तथा सर्वाधित मत प्रतिशत वाले केन्द्र से जुड़े लोगों का राजभवन में सम्मानित किया जायेगा।

कवि सम्मेलन में विभिन्न प्रदेशों से आये कवियों ने अपनी हास्य रचनाएं भी प्रस्तुत की।

अंजुम/दिलशाद/राजभवन (126/41)

१ अप्रैल २०१९